5 • रांची • सोमवार • 15 अक्तूबर 2012 हिन्दुस्तान

रांची

संक्षेप

इस्पात क्लब में सोसाइटी ऑफ जियो साइंटिस्ट के सदस्य टीएन मिश्रा की पुस्तक 'जल संकट, मुक्ति कैसे पाएं' का रविवार को विमोचन किया गया। इस दौरान बीसीसीएल के पूर्व अध्यक्ष सीएस झा, बीसीएल, रांची के निदेशक (कार्मिक) आरआर मिश्रा तथा सीएमपीडीआइ एवी सहाय समेत कई उपस्थित थे।

6 | दैनिक जागरण रांची, 15 अक्टूबर 2012

इस्पात क्लब में पुस्तक का विमोचन

रांची : सोसाइटी आफ जियो साइंस के तत्वावधान में रविवार को इस्पात क्लब में आयोजित एक सादे समारोह में 'जल संकट-मुक्ति कैसे पाएं' नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। पूर्व निदेशक, झारखंड-बिहार टीएन मिश्रा लिखित इस पुस्तक के विमोचन के मौके पर इसीएल एवं बीसीसीएल के पूर्व सीएमडी सीएस झा खास तौर पर मौजूद थे। इस अवसर पर उन्होंने जहां झारखंड में भू-विज्ञान और भू-वैज्ञानिकों के दायित्व पर विशेष चर्चा की, वहीं सीएमपीडीआइ आफिसर एसोसिएशन के अध्यक्ष एबी सहाय ने झारखंड में इस पुस्तक के औचित्य की व्याख्या की। मौके पर सीसीएल के निदेशक, कार्मिक आरआर मिश्रा, राज्य जल पर्षद के निदेशक एसएलएस जगेश्वर, जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता डॉ. डीके सिंह, अनल सिन्हा, पंकज कुमार आदि मौजूद थे।

इस्पात क्लब में पुस्तक जल संकट मुक्ति कैसे पाएं का लोकार्पण पर अतिथिगण।

प्रभात खबर रांची, सोमवार. 15 अक्तूबर, 2012 10

सिटी अपडेट

जल संकट पर पुस्तक का लोकार्पण

रांची ■ टीएन मिश्र द्वारा लिखित पुस्तक जल संकट से मुक्ति कैसे पाये का लोकार्पण इस्टर्न कोल फील्ड लिमिटेड के सेवानिवृत्त सीएमडी सीएस झा ने सोसाइटी ऑफ जियो साइंटिस्ट के तत्वावधान में मेकन इस्पात क्लब में आयोजित समारोह में किया. उन्होंने कहा कि न सिर्फ भूगर्भशास्त्रियों के लिए बल्कि आम लोगों के लिए भी यह पुस्तक उपयोगी सिद्ध होगी. समारोह में एवी सहाय, डा डीके सिंह, आरआर मिश्रा, एसएल एस जगेश्वर, डॉ अमल सिन्हा , पंकज कुमार उपस्थित थे.

रांची एक्सप्रेस
रांची, सोमवार 15 अक्तूबर 2012

'जल संकट-मुक्ति कैसे पायें' पुस्तक का लोकार्पण

रांची, 14 अक्तूबर (रां.ए.सं.) : सोसाइटी आफ जियोसाइन्टीस्ट झारखंड के तत्वावधान में डोरंडा स्थित इस्पात क्लब में आज पुस्तक 'जल संकट -मुक्ति कैसे पायें' का लोकार्पण किया गया। इस पुस्तक के लेखक सोसाइटी के पूर्व निदेशक टी.एन. मिश्र हैं। इस अवसर पर श्री मिश्र ने बताया कि जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है। यह विकट जल संकट को जन्म दे सकता है। ऐसे में जल संकट के निवारण को लेकर पुस्तक द्वारा लोगों को जागरूक करना सहज होगा। पुस्तक में जल संकट होने तथा इसके निवारण आदि का वर्णन किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में सभी जलस्रोतों के प्रवाहित जल का संग्रह करने की जरूरत है ताकि पानी का दुरुपयोग ना हो सके।

मुख्य अतिथि सीसीएल के पूर्व सीएमडी सी.एस. झा ने कहा कि राज्य में ज्यॉलॉजिकल तथा माइनिंग समेत सभी प्राकृतिक चीजों को संरक्षित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जियोसाइन्टीस्ट पता लगाए कि राज्य से जल संकट को कैसे दूर किया जाए तथा इसके लिए क्या कार्य करना होगा।

पुस्तक लोकार्पण के अवसर पर डा. ए.के. सिन्हा, सीसीएल निदेशक आरआर मिश्रा, सीएमपीडीआई एसोसिएशन के अध्यक्ष एवी सहाय, डॉ. डी.के. सिंह समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

रांची, सोमवार, 15 अक्तूबर 2012
www.sanmargjharkhand.com
05

जलसंकट पर भूवैज्ञानिकों ने किया मंथन

रांची: सोसाइटी ऑफ जियो-साइंटिस्ट्स,झारखंड के पदधारियों व सदस्यों ने राज्य में व्याप्त जलसंकट पर गहन चिंतन-मनन किया। रविवार को मेकॉन स्थित इस्पात क्लब में आयोजित सभा में भू-वैज्ञानिकों ने जलसंकट, भू-वैज्ञानिकों की समस्याओं, कर्त्तव्यों व दायित्व आदि विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर इसीएल व बीसीसीएल के पूर्व अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक सीएस झा ने भूतत्व विभाग के पूर्व निदेशक टीएन मिश्रा लिखित पुस्तक ह्यजल संकट-मुक्ति कैसे पायेंह्न का लोकार्पण किया। इस मौके पर सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) आरआर मिश्रा ने कहा कि राज्य में गहराते जलसंकट को देखते हुए यह पुस्तक काफी उपयोगी साबित होगी। सीएमपीडीआइ ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एबी सहाय ने कहा कि झारखंड के परिप्रेक्ष्य में इस पुस्तक में वर्णित कई जानकारियां व सुझाव महत्वपूर्ण हैं। सभा व लोकार्पण समारोह का संचालन सोसाइटी के महासचिव डॉ.अनल सिन्हा ने किया। समारोह के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ.पंकज कुमार ने किया। मौके पर राज्य जल पर्षद के निदेशक एसएलएस जगेश्वर,जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता डॉ.डीके सिंह सहित सोसाइटी के सदस्य मौजूद थे।

दैनिक भास्कर रांची, सोमवार. 15 अक्टूबर. 2012 7

जल संकट-मुक्ति कैसे पाएं का विमोचन

रांची | मेकन स्थित इस्पात क्लब के सभागार में रविवार को जल संकट-मुक्ति कैसे पाएं का विमोचन किया गया। समारोह का आयोजन सोसायटी ऑफ जियो साइंटिस्ट ने किया था। पुस्तक के लेखक टीएन मिश्रा हैं। मौके पर इसीसीएल और बीसीसीएल के पूर्व अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक सीएस झा, डॉ. अरुण सिन्हा, पंकज कुमार, डॉ. डीके सिंह आदि मौजूद थे।